Date

रीतिकाल लघु प्रश्नोत्तर

प्रश्न① रीतिकाल के कवियों का जिन श्रेणियों में वर्गीकरण किया गया है उनका उल्लेख करते हुए प्रत्येक श्रेणी के एक प्रतिनिधि कवि का नाम उनकी एक रचना सहित लिखिए।

उत्तर→ रीतिकाल के कवियों को तीन श्रेणी में बांटा गया है। इन तीन श्रेणियों के प्रतिनिधि कवि एवं उनकी एक रचना का विवरण इस प्रकार है —

1. रीतिबद्ध - केशवदास - कविप्रिया
2. रीतिसिद्ध - बिहारी - सतसई
3. रीतिमुक्त - बोधा - इश्कलता

प्रश्न② हिन्दी के उस रीतिकालीन अलंकारवादी आचार्य का नाम बताइए जिसे कवि हृदय नहीं मिला था और जो कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है। उनकी तीन कृतियों के नाम भी बताइए।

उत्तर→ आचार्य केशवदास हिन्दी के रीतिकालीन अलंकारवादी आचार्य थे। शुक्ल जी के अनुसार उन्हें कवि हृदय नहीं मिला था। क्लिष्ट होने के कारण उन्हें कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है। उनकी तीन कृतियाँ हैं —

① रामचन्द्रिका
② कविप्रिया
③ रसिकप्रिया

Date

प्रश्न③ रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर→ रीतिमुक्त काव्य की निम्नलिखित विशेषताएं हैं—

① रीतिमुक्त कवियों का लक्ष्य हृदय के मनोवेगों से मुक्त भाव से व्यक्त करना रहा है।

② इन कवियों ने प्रेमानुभूतियों की अभिव्यक्ति आत्मपरक शैली में की है।

③ रीतिमुक्त काव्य व्यक्तिप्रधान है। ये ~~कवि अपने व्यक्तिगत जीवन के विषय~~

④ इनके प्रेम वर्णन में वियोग की प्रधानता है।

⑤ इन्होंने प्राचीन परंपरा का त्याग किया है।

⑥ इन कवियों के प्रेम में उदात्तता है, ऐन्द्रिक वासना का कहीं स्थान भी नहीं है।

⑦ ये प्रेममार्गी के धीर पथिक हैं। अपने मार्ग से किसी भी स्थिति में विचलित नहीं होते।

⑧ इन कवियों ने लाक्षणिक भाषा का प्रयोग करते हुए अपनी अभिव्यक्ति क्षमता में वृद्धि की है।

⑨ रीतिमुक्त काव्य फारसी काव्य प्रवृत्तियों से भी प्रभावित है। मुक्तक काव्यकला, उपमानों एवं बिम्बों का चयन तथा रूढ़ियों के वर्णनों की प्रचुरता फारसी प्रभाव ही है।